न्यायालय- माननीय राजस्व मण्डल, ग्वालियर म0प्र0

9001-I-17

मथुरा प्रसाद तनय हजरे प्रजापति .....रिवीजनकर्ता/
आवेदक.

// विरूद्ध //

श्रीमति गजरानी बेवा स्व0 सुखलाल
विश्वकर्मा व 3 अन्य ..... अनावेदकगण.

रिवी0प्र0क्र0- 1647 ए/16 ता0 पेशी-

आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा - 35 म0 प्र0 भू-राजस्व संहिता

रिवीजनकर्ता/आवेदक की ओर से निम्न प्रार्थना है :-

1. यह कि, आवेदक/रिवीजनकर्ता ने माननीय अपर आयुक्त महोदय सागर संभाग, सागर के प्र0 क्र0- 608/अ- /वर्ष 2013-14 में पारित आदेश दिनांक- 27.02.2016 को एक निगरानी माननीय के समक्ष प्रस्तुत की थी , जिसमें आवेदक/ रिवीजनकर्ता प्रकरण में सुनवाई के दौरान उपस्थित होता रहा है ।

2. यह कि, उपरोक्त प्रकरण में पेशी दिनांक-27,28. 6. 2016 को आवेदक व उसके अधिवक्ता प्रकरण में ग्राह्यता पर तर्क हेतु उ0 मान0 न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुए थे एवं आवेदक अधिवक्ता द्वारा ग्राह्यता पर तर्क प्रस्तुत करने उपरान्त प्रकरण पंजीबद्ध कर दिनांक- 30. 8. 2016 को अनावेदकगण की उपस्थिति एवं अधीनस्थ न्यायालय का अभिलेख आहूत किए जाने हेतु नियत किया गया था ।

3. यह कि, नियत पेशी दिनांक- 30. 8. 2016 को आवेदक के अधिवक्ता बाहर गए हुए थे, और आवेदक उक्त पेशी दिनांक को मान0 न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुआ और संबंधित लिपिक के समक्ष उपस्थि

रेस्टो॰ 9001-I/17 जिला सागर

25-10-17
सागर कैम्प

निवेदक अधि॰ श्री पी॰ एस॰ राजपूत उपस्थित। अनावेदक अधि॰ श्री जी॰ एस॰ विश्वकर्मा उप॰। उभय पक्ष अधि॰ को रेस्टोरेशन आवेदन पर सुना गया। प्रस्तुत रेस्टोरेशन आवेदन स्वीकार किया जाता है मूल-प्रकरण अपने मूल नम्बर पर स्थापित किया जाता है। प्रकरण आगामी सुनवाई हो।

प्र॰ अदालत

25.10.17

जीवन प्रजापति
25/10/17

27/10/17